समास

-दिव्या
अतिथि शिक्षक, हिन्दी विभाग
वैशाली महिला कॉलेज, हाजीपुर

शेषांश :—

▷ तत्पुरुष समास —

* जिस समास में अंतिम पद-प्रधान हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। जैसे -

  गंगाजल → गंगा का जल।
  सेनापति → सेना का पति।

उपर्युक्त उदाहरणों में गंगाजल कहने से गंगा के जल का बोध होता है, न कि गंगा का। इसी तरह सेनापति पद से सेना के पति (मालिक) का बोध होता है, न कि सेना का। इस प्रकार दोनों तत्पुरुष समास के उदाहरण हैं।

तत्पुरुष समास मुख्यतः दो प्रकार का होता है —

1.) व्यधिकरण तत्पुरुष

2.) समानाधिकरण तत्पुरुष

1.) व्यधिकरण तत्पुरुष समास —

* जिस तत्पुरुष समास में पूर्व पद एवं उत्तर पद - दोनों पद भिन्न-भिन्न कारक के हों, उसे व्यधिकरण तत्पुरुष समास कहते हैं। जैसे —

कर्मवीर - कर्म में वीर
(कर्म-अधिकरण कारक एवं वीर-कर्ता कारक)।

सेनापति - सेना का पति
(सेना - संबंध कारक एवं पति-कर्ता कारक)।

ऐसे पदों के विग्रह में पूर्वपद (पहला पद) जिस कारक के अंतर्गत रखा जाता है, उसी कारक के नाम से इसे जाना जाता है।

इस प्रकार इसके छह भेद होते हैं —

(i) कर्म तत्पुरुष → सुखप्राप्त - सुख को प्राप्त,
स्वर्गप्राप्त - स्वर्ग को प्राप्त
(सुख, स्वर्ग → कर्म कारक)।

(ii) करण तत्पुरुष → स्वर्णनिर्मित - स्वर्ण से निर्मित,
नीतियुक्त - नीति से युक्त
(स्वर्ण, नीति → करण कारक)।

(iii) सम्प्रदान तत्पुरुष → देशभक्ति - देश के लिए भक्ति
हवनसामग्री - हवन के लिए सामग्री
(हवन, देश → सम्प्रदान कारक)

(iv) अपादान तत्पुरुष → पदच्युत - पद से च्युत
ऋणमुक्त - ऋण से मुक्त
(पद, ऋण → अपादान कारक)

(v) संबंध तत्पुरुष → राजपुत्र - राजा का पुत्र
विद्याभ्यास - विद्या का अभ्यास
(राजा, विद्या → संबंध कारक)

(vi) अधिकरण तत्पुरुष → कार्यकुशल - कार्य में कुशल

गृहप्रवेश - गृह में प्रवेश

(कार्य, गृह → अधिकरण कारक)

— क्रमशः